राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र, इंदौर में एक दिवसीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन

राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र, इंदौर में वैज्ञानिक तथा तकनीकी क्षेत्र में हिन्दी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार दिनांक 26/07/2022 को **"आत्मनिर्भर भारत हेतु उत्कृष्ट, स्वदेशी एवं प्रासंगिक प्रौद्योगिकी का विकास"** विषय पर एक दिवसीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन हिन्दी में किया गया। इस संगोष्ठी में वैज्ञानिक एवं अभियंताओं ने अपना शोध कार्य
1. त्वरक तकनीकियाँ एवं उपयोग 2. लेज़र तकनीकियाँ एवं उपयोग 3. नाभिकीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी 4. विकिरण प्रौद्योगिकी 5. कोविड महामारी के रोकथाम हेतु प्रौद्योगिकी विषयों के अंतर्गत प्रस्तुत किया।

इस संगोष्ठी में परमाणु ऊर्जा विभाग के विभिन्न संस्थानों राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र, इंदौर, प्लाज्मा अनुसन्धान संस्थान, गांधीनगर, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, मुंबई, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद, परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रॉन केन्द्र, कोलकाता, आरआरसाईट, रावतभाटा, न्यूक्लियर पॉवर कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड, मुंबई से उपरोक्त विषयों में हिंदी में सोलह शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। संगोष्ठी का प्रसारण ऑन लाइन विडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा भी किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो. राकेश सक्सेना, निदेशक, एसजीएसआईटीएस, इंदौर के द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. राकेश सक्सेना ने हिंदी के विज्ञान जगत में प्रसार हेतु हिंदी वैज्ञानिक जर्नल्स प्रारंभ करने का सुझाव दिया। आरआरकेट के निदेशक डॉ. शंकर वि. नाखे ने केन्द्र द्वारा हिंदी प्रसार हेतु किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। हिंदी कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष एवं प्रोटोन त्वरक वर्ग के निदेशक श्री पुरुषोत्तम श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण में संगोष्ठी एवं मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री गिरधर मूंदड़ा, टीडीएस वर्ग के निदेशक द्वारा किया गया। श्री विमल शुक्ल, सहायक निदेशक (राजभाषा) द्वारा आभार प्रस्तुत किया गया।

बाएं से श्री गिरधर मूंदड़ा, डॉ. वि. शंकर नाखे, प्रो राकेश सक्सेना, श्री पुरुषोत्तम श्रीवास्तव